

अध्याय - 6 | पुष्पी पादपों का शरीर

QUIZ
PART-01

1. पौधों के भीतरी संरचना के अध्ययन को क्या कहा जाता है?

- A. ऊतक विज्ञान
- B. शारीर विज्ञान
- C. वनस्पति विज्ञान
- D. वर्गिकी (B)

व्याख्या: पौधों के भीतरी संरचना के अध्ययन को शारीर (Anatomy) कहा जाता है, जिसमें विभिन्न ऊतक तंत्रों का अध्ययन किया जाता है।

2. ऊतक तंत्र की संख्या कितनी होती है?

- A. दो
- B. तीन
- C. चार
- D. पाँच (B)

व्याख्या: पौधों में ऊतक तंत्र तीन प्रकार के होते हैं — बाह्य त्वचीय ऊतक तंत्र, भरण ऊतक तंत्र, और संवहनी ऊतक तंत्र।

3. बाह्य त्वचा (Epidermis) का मुख्य कार्य क्या है?

- A. जल अवशोषण
- B. पौधे को बाहरी क्षति से बचाना
- C. भोजन निर्माण
- D. बीज निर्माण (B)

व्याख्या: बाह्य त्वचा पौधे के सभी भागों को ढँकती है और बाहरी पर्यावरणीय क्षति से सुरक्षा प्रदान करती है।

4. क्यूटिकल की उपस्थिति कहाँ नहीं होती है?

- A. तना
- B. पत्तियों पर
- C. फल पर
- D. मूल पर (D)

व्याख्या: मूल की सतह पर क्यूटिकल अनुपस्थित होती है क्योंकि यह जल और खनिजों के अवशोषण में बाधा डालती है।

5. रन्ध्र (Stomata) का मुख्य कार्य क्या है?

- A. जल का अवशोषण
- B. गैसों का विनिमय और वाष्पोत्सर्जन
- C. भोजन संग्रहण
- D. पुष्प निर्माण (B)

व्याख्या: रन्ध्र पत्तियों की बाह्य त्वचा पर उपस्थित होते हैं और गैसों के विनिमय तथा वाष्पोत्सर्जन का कार्य करते हैं।

6. द्वार कोशिकाओं (Guard Cells) में कौन-सा अंग विशेष रूप से उपस्थित होता है?

- A. माइटोकॉन्ड्रिया
- B. क्लोरोप्लास्ट
- C. वैक्यूल
- D. राइबोसोम (B)

व्याख्या: द्वार कोशिकाओं में क्लोरोप्लास्ट उपस्थित होते हैं जो रन्ध्रों के खुलने और बंद होने को नियंत्रित करते हैं।

7. घास में द्वार कोशिकाएँ किस आकार की होती हैं?

- A. गोलाकार
- B. अंडाकार
- C. डंबलाकार
- D. लंबी बेलनाकार (C)

व्याख्या: घास में द्वार कोशिकाएँ डंबलाकार होती हैं, जो एकबीजपत्री पादपों की विशेषता है।

8. मूल रोम का मुख्य कार्य क्या है?

- A. प्रकाश संश्लेषण
- B. जल और खनिजों का अवशोषण
- C. वाष्पोत्सर्जन
- D. परागण (B)

व्याख्या: मूल रोम मिट्टी से जल और खनिजों का अवशोषण करते हैं जिससे पौधे को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं।

9. भरण ऊतक तंत्र में कौन-कौन से सरल ऊतक पाए जाते हैं?

- A. पैरेंकाइमा, कॉलेंकाइमा, स्कलेरेंकाइमा
- B. जाइलम, फ्लोएम, पैरेंकाइमा
- C. क्यूटिकल, एपिडर्मिस, कॉलेंकाइमा
- D. स्कलेरेंकाइमा, फ्लोएम, ट्राइकोम (A)

व्याख्या: भरण ऊतक तंत्र सरल ऊतकों जैसे पैरेंकाइमा, कॉलेंकाइमा और स्कलेरेंकाइमा से मिलकर बना होता है।

10. संवहनी ऊतक तंत्र में कौन से दो ऊतक पाए जाते हैं?

- A. कॉलेंकाइमा और स्कलेरेंकाइमा
- B. पैरेंकाइमा और फ्लोएम
- C. जाइलम और फ्लोएम
- D. फ्लोएम और क्यूटिकल (C)

व्याख्या: संवहनी ऊतक तंत्र में दो प्रमुख ऊतक होते हैं — जाइलम (जल वहन) और फ्लोएम (भोजन वहन)।